बीपीवाईसी. – 134

अनुप्रयुक्त हिंदी में उपाधि कार्यक्रम
(BAAHD)

सत्रीय कार्य
(जनवरी 2024 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बीपीवाईसी. –134
पाश्चात्य दर्शन : आधुनिक

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110068

बीपीवाईसी. –134
पाश्चात्य दर्शन : आधुनिक
सत्रीय कार्य 2024

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है। i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जनवरी, 2024 माह में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 सितंबर, 2024 है।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

अन्य सत्रीय कार्यों की तरह आपके यह सत्रीय कार्य भी अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक को जमा कराना होगा आपका क्षेत्रीय केन्द्र आपको ऑनलाइन सत्रीय कार्य जमा करने की सुविधा भी प्रदान कर सकता है। इसके लिए आप अपने क्षेत्रीय केन्द्र की वेबसाइट पर देखें कि आपके केन्द्र में ऑनलाइन सत्रीय कार्य जमा करने की सुविधा उपलब्ध है अथवा नही।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है, तथा

ग) उत्तर आपके भाव शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) **प्रस्तुतीकरण:** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ लिखें और जिन बिन्दुओं पर आप विशेष बल देना चाहते है उन्हें रेखांकित करें यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य हैं अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

शुभकामनाओं के साथ!

बीपीवाईसी. –134
पाश्चात्य दर्शन : आधुनिक
सत्रीय कार्य. 2024

कार्यक्रम कोड: BPYC-134
सत्रीय कार्य कोड : बीपीवाईसी. –134/2024
पाठ्यक्रम कोड: BPYC-134
अधिकतम अंक : 100

ध्यातव्य :
1. सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्न क्रमांक 1 एवं 2 के उत्तर लगभग 400–400 शब्दों में दीजिए।

1. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन की मुख्य विशेषताओं पर टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

ज्ञान की प्रकृति के संबंध में काण्ट का क्या मत है ? व्याख्या एवं विश्लेषण कीजिए।

2. डेकार्ट के मन–शरीरे द्वैतवाद की व्याख्या एवं विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

डेकार्ट किस तरह बाह्य जगत के अस्तित्व को सिद्ध करते हैं?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200–200 शब्दों में दीजिए। 2×10= 20

अ). कारणता का विचार क्या है ? ह्यूम कारणता के विचार की आलोचना किस तरह करते हैं?
आ). स्पिनोजा के द्रव्य–विचार की तुलना डेकार्ट एवं लॉक के द्रव्य–विचार से कीजिए।
इ). जन्मजात प्रत्यय क्या हैं ? लॉक किस तरह जन्मजात प्रत्यय के विचार की आलोचना करते हैं?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर लगभग 150–150 शब्दों में दीजिए। 4×5= 20

अ). लॉक अन्तः प्रज्ञात्मक एवं निदर्शनात्मक ज्ञान में कैसे भेद करते हैं ?
आ). बर्कले के भौतिकवाद के खण्डन की परीक्षा कीजिए।
इ). ''विचार विषय–सामग्री के बिना रिक्त और अंतःप्रज्ञा अवधारणा के बिना नेत्रहीन है।'' काण्ट के इस विचार की व्याख्या कीजिए।
ई). स्पिनोज़ा किस तरह सिद्ध करते हैं कि ईश्वर ही एकमात्र स्वतन्त्र द्रव्य है ?
उ). पूर्व–स्थापित सामंजस्य के विचार पर टिप्पणी लिखिए।
ऊ). लॉक के प्रत्यक्ष की प्रतिनिधात्मक सिद्धान्त पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100–100 शब्दों में टिप्पणी लिखिए। 5×4= 20

क). अलगावित श्रम
ख). प्रबोधन
ग). संश्लेषणात्मक प्रागनुभवी एवं विश्लेषणात्मक प्रागनुभवी
घ). रिक्त पटल
ङ). देकार्त की वैज्ञानिक पद्धति
च). सोचता हूँ, इसलिए मैं हूँ
छ). हेगेल का परम सत्य का विचार
ज). ईश्वर के प्रति बौद्धिक प्रेम